मुख्य विकास अधिकारी महोदया, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 23 अगस्त, 2025 को शाम 4:30 बजे से जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक का कार्यवृत्त।

मुख्य विकास अधिकारी महोदया, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 23 अगस्त, 2025 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), आगरा, समस्त सहायक अभियंता, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), श्री विनोद कुमार, डी0ए0ओ0, श्री चन्दन कुमार, प्रचार सहायक, जिला सूचना कार्यालय, श्री विरेन्द्र सहायक अभियंता, लघु सिंचाई, श्री नीरतन फागल, असिस्टेंट जियोफिजिस्ट, भू-गर्भ जल विभाग, श्री सुमित कुमार सिंह, बी0ई0ओ0, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्री मनीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, श्री अभिषेक, फॉरेस्ट, श्री चन्द्रशेखर, जिला विद्यालय निरीक्षक, श्री चंचल कुमार, सहायक अभियंता, सिंचाई विभाग, श्री रविन्द्र जैन, डीपीएम, टीपीआई, श्री आनन्द कुमार सिंह, जिला समन्वयक, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 लि0 से श्री रमेश कृष्ण, डीजीएम, मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 से श्री नवीन बजराला, प्रोजेक्ट मैनेजर और श्री दीपक कुमार डीपीएम आदि उपस्थित रहे।

बैठक में सतही स्त्रोत आधारित ग्राम समूह पेयजल योजना की प्रगति पर एजेन्सीवार चर्चा की गयी –

<u>मै0 एन0सी0सी0–एफकॉ(जे0वी0), पैकेज–01</u>

1. भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति– जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सी0डब्लू0आर0 का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी है। 06 सीडब्लूआर पर 51–75 प्रतिशत एवं 11 सीडब्लूआर पर 76–99 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही निर्देशित किया गया कि टीपीआई तथा जल निगम के अभियन्ताओं द्वारा आरएमसी प्लांट पर निर्माण सामग्री की नियमित जाँच की जाये।

2. पम्प हाउस (Pump House) की प्रगति– जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा 17 सीडब्लूआर तथा 17 पम्प हाउस का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि 9सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर 51–75 प्रतिशत एवं 08 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर 76–99 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये।

3. पाइप लेइंग – सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था को कुल 1967.71 किमी पाइप बिछाये जाने के सापेक्ष 1085.99 किमी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें से MS Pipe 165.31 किमी0 एवं DI Pipe 1802.40 किमी0 बिछाया जाना प्रस्तावित है MS Pipe 156.74 किमी0 एवं DI Pipe 1738.19 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा MS Pipe 65.79 किमी0 एवं DI Pipe 1020.21 किमी0 पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा डीजीएम एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि टीम व मैनपावर की संख्या बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

4. हाइड्रोटेस्टिंग– समीक्षा बैठक में सहायक अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 1085 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 185.60 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा डीजीएम, एनसीसी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके है सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हो।

5. डिजाइन व ड्राइंग– टी0पी0आई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि कहीं–कहीं साइट पर कार्य हेतु एप्रूव्ड ड्राइंग, कॉन्ट्रेक्टर द्वारा टीपीआई के कर्मचारियों को नही दी जा रही है। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा सहायक अभियंता को निर्देशित किया गया कि सभी एप्रूव्ड ड्राइंग की सूची तत्काल टीपीआई को उपलब्ध करायी जाए तथा जिन ड्राइंगों का विभाग द्वारा एप्रूव्ड नहीं हुआ है कॉन्ट्रेक्टर उन्हें अतिशीघ्र विभाग द्वारा एप्रूव्ड कराकर टीपीआई को उपलब्ध कराये। टीपीआई तथा सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) व समस्त सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि विभाग द्वारा एप्रूव्ड डिजाइन के अनुसार ही निर्माण कार्य करायें।

6. रोड़ रैस्टोरेशन– सहायक अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 द्वारा रोड डिसमेंटलिंग 20.69 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 4.11 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 16.58 किमी0 रोड रैस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का

Scanned with OKEN Scanner

विशेष ध्यान रखते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य सहायक अभियंता जल निगम (ग्रामीण) अपनी देख रेख में ब्लॉक स्तर के सम्बंधित जूo इंजीनियर एवं ग्राम पंचायत के लेखपाल की उपस्थिति में रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ–साथ रोड रेस्टोरेशन की प्रगति की समीक्षा के लिए प्रत्येक माह ब्लॉक स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी एवं सम्बंधित सहायक अभियंता के साथ जहाँ–जहाँ पर निर्माण कार्य चल रहे हैं वहाँ सेफ्टी मेजर का विशेष ध्यान रखा जाये, यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही होती है तो सम्बन्धित की जवाबदेही निर्धारित करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी।

7. नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट– टी०पी०आई० के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै० एन०सी०सी० पर कुल 79 एन०सी० लगायी गयी थी जिसमें से 63 एनसी० का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 16 एनसी० अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गया है। जिस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा मै० एन०सी०सी० के डीजीएम को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन०सी० का नियमानुसार पूर्ण करायें तथा अनुपालन आख्या भिजवायें।

8. एन०ओ०सी०– मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा मै० एनसीसी के डीजीएम को निर्देशित किया गया कि नियमानुसार स्टीमेट फीस के भुगतान को तत्काल किया जाये। इसके साथ–साथ रेलवे एवं विभाग से सम्बन्धित जितनी भी एनओसी पेंडिंग है उसको लिए संबंधित अधिकारी से वार्ता कर प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें।

<u>मै० मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि०, पैकेज–02</u>

1. अवर जलाशय (OHT) की प्रगति– सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै० मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सापेक्ष मात्र 388 ओ०एच०टी० पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें 131 ओएचटी पर 0–25 प्रतिशत, 108 ओएचटी पर 26–50 प्रतिशत, 92 ओएचटी पर 51–75 प्रतिशत, 40 ओएचटी पर 76–79 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है। टीपीआई द्वारा बताया गया कि 371 ओएचटी पर पीसीसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष बची हुई 17 ओएचटी पर खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 19 ओएचटी पर कार्य अनारम्भ है। 231 ओएचटी ग्राउण्ड लेवल से ऊपर आ चुकी है। 82 ओएचटी पर स्टेजिंग बीम का कार्य हो चुका है। 40 ओएचटी पर स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिनमें से 10 ओएचटी पर विंक एलम टैंक का कार्य पूर्ण हो चुका है। टी०पी०आई० द्वारा बताया गया 1772 के सापेक्ष मात्र 436 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है जिस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा नाराजगी प्रकट करते हुए मै० मेघा इंजी० के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर बढ़ायें एवं कार्य को समयबद्ध गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें तथा शेष बची 36 ओएचटी पर शीघ्र ही खुदाई/पीसीसी का कार्य करायें।

2. पाइप लेइंग– सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7567.76 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से कुल 6033 किमी० पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा कुल 4414 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा मै० मेघा के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढ़ाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही टी०पी०आई० को निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने के दौरान लेइंग की गहराई का विशेष ध्यान रखते हुए मानक के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें।

3. हाइड्रोटेस्टिंग– समीक्षा बैठक में सहायक अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 4414 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 1011.34 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा पीएम मेघा इंजी० को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की ज्वाइंट उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके हैं सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हों।

4. रोड रेस्टोरेशन– सहायक अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै० मेघा इंजी० द्वारा रोड डिस्मेन्टलिंग 1192.48 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 884.46 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 308.02 किमी० रोड रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा नाराजगी प्रकट की गयी। मै० मेघा के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान सी०सी० रोड की कटिंग जे०सी०बी० से न कराकर रोड कटर से करायें व कॉम्पेक्टर के माध्यम से पूर्ण कॉम्पैक्शन करायें। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य सहायक अभियंता जल निगम (ग्रामीण) अपनी देख रेख में ब्लॉक स्तर के सम्बंधित जू० इंजीनियर एवं ग्राम पंचायत के लेखपाल की उपस्थिति में रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ–साथ रोड रेस्टोरेशन की प्रगति की समीक्षा के लिए

Scanned with OKEN Scanner

प्रत्येक माह ब्लॉक स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी एवं सबंधित सहायक अभियंता के साथ जहाँ—जहाँ पर निर्माण कार्य चल रहे हैं वहाँ सेफटी मेजर का विशेष ध्यान रखा जाये, यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही होती है तो सम्बन्धित की जबावदेही निर्धारित करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी।

5. नॉन—कॉम्प्लायंस रिपोर्ट— टी0पी0आई0 के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग को कुल 161 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 106 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 55 एन0सी0 अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गयी है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 को नियमानुसार पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

6. एन0ओ0सी0— अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों में रूचि नहीं ली जा रही है वन विभाग में NOC के लिए मै0 मेघा इंजी0 द्वारा ऑनलाइन आवेदन नही किया गया। अतः मै0 मेघा इंजी0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वन विभाग की एन0ओ0सी0 तत्काल अप्लाई करें।

अतः आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि परियोजना के ओएचटी, सीडब्ल्यूआर पर निर्माण कार्यों तथा पाइप लेइंग आदि को निर्धारित डिजाइन ड्रॉइंग एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार तीव्र गति से पूर्ण करायें, नल संयोजन प्रत्येक दशा में घरों के अन्दर किये जायें। रोड रेस्टोरेशन के कार्यों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए पूर्ण कराया जाये तथा सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाये। यदि भविष्य में निरीक्षण में उक्त के सम्बन्ध में लापरवाही/कमी पायी जाती है अथवा इस सम्बन्ध किसी भी प्रकार की शिकायत की पुष्टि होती है तो अनुबंध के अनुसार सुसंगत धाराओं/शर्तों के आधार पर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आप सभी का होगा।

अधिशासी अभियंता/ सदस्य सचिव
(जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन)
आगरा।

कार्यालय जिलाधिकारी आगरा।

(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति)

पत्रांक 1003/जे0जे0एम0/का0कृ0/ ८६० दिनांक 26-8-2025
प्रतिलिपिः— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक महोदय राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया।
4. अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, आगरा।
5. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (वि0/यां0), आगरा को इस निर्देश के साथ जहाँ—जहाँ सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है वहां पर E&M के उपकरण/मशीनरी की आपूर्ति कराकर शीघ्र ही इन्स्टॉलेशन का कार्य प्रारम्भ करायें।
6. समस्त सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), आगरा इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वह स्वंय अपने—अपने क्षेत्रों में जाकर अपने पर्यवेक्षण में गुणवत्ता एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
7. डी0पी0एम0, फिशनर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इण्डिया) प्रा0 लि0 आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखें।
8. जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई (डी0पी0एम0यू0), आगरा को अनुपालनार्थ।
9. डी0जी0एम0, मैसर्स एन0सी0सी0 एपको (जे0वी0) (पैकेज—1), आगरा को अनुपालनार्थ।
10. प्रोजेक्ट मैनेजर मैसर्स मेघा इंजी0 एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 (पैकेज—2), आगरा को अनुपालनार्थ।

अधिशासी अभियंता/ सदस्य सचिव

HWCD Agra_Final_Mintus of Meeting 23-08-25

Scanned with OKEN Scanner